

# Panch Parmeshthi Aarti

इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

पहली आरति श्रीजिनराजा,  
भव दधि पार उतार जिहाजा ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

दूसरी आरति सिद्धन केरी,  
सुमिरन करत मिटे भव फेरी ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

तीजी आरति सूरि मुनिंदा,  
जनम मरन दुःख दूर करिंदा ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

चौथी आरति श्री उवझाया,  
दर्शन देखत पाप पलाया ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

पाँचमि आरति साधु तिहारी,  
कुमति विनाशन शिव अधिकारी ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

छट्टी ग्यारह प्रतिमाधारी,  
श्रावक वंदूं आनंदकारी ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

सातमि आरति श्रीजिनवानी,  
'द्यानत' सुरग मुकति सुखदानी ।  
इह विधि मंगल आरति कीजे,  
पंच परमपद भज सुख लीजे ॥

